बिना रुपये या बिना दाम के

निश्चित रूप से आराधनालय में इस प्रातः वापस आना एक सौभाग्य की बात है। मैं अभी सोच रहा हूं... भाई नेविल ने कहा कि बहुत से लोग पीछे की ओर इसे नहीं सुन पाए। क्या आप वहां पीछे की ओर मुझे ठीक प्रकार से सुन पा रहे हैं? क्या यह ठीक है? ठीक है। मैं—मैं बस थोड़ा सा, अतः मुझे बहुत सारा शोर करना होता है ताकि लोग यह जान सकें के मैं उपस्थित हूं।

2 अतः, मुझे स्मरण है कि मैं एक बार जन सुविधाओं में कार्यरत था। मैं सीढ़ियों पर से ऊपर आ रहा था... और मैं बहुत बड़े जूतों को पहना करता था, जिन पर कीलें लगी होती थीं, जिससे मैं बड़े–बड़े तारों पर चल सकता था। जैसे मैं सीढ़ियों पर से से ऊपर आ रहा था। और श्रीमती ईहाल्ट जो कि मेरी मित्र थीं, वह बिजली के बोर्ड पर थीं। और मैं निश्चित हूं कि श्रीमान जिन्थर वहां पर उन्हें अच्छी तरह से पहचान लेंगे। अतः: एडिथ ने कहा, "बिली, तुम बहुत शोर करते हो, तुम उन सभी व्यक्तियों में से जो मैंने देखें हैं सबसे छोटे हो।" उन कीलों वाले जूतों को पटक कर चलते हो, सीढ़ियों से ऊपर आते हुए।

3 मैंने कहा, "अच्छा एडिथ, मैं बहुत छोटा हूं, मुझे हर एक व्यक्ति को यह बताना होता है कि मैं उपस्थित हूं, बहुत अधिक शोर करता हूं।"

4 अच्छा, मैं बस बुलाने के लिए अन्दर गया। भाई नेविल ने मुझे बताया था कि हमारे अच्छे मित्र, भाई रॉय राबर्सन, इस प्रातः बीमार होने के कारण सभा में नहीं आ पाए। उनकी... उनका दांत धंस गया है। उसमें संक्रमण हो गया है, इसके कारण उन्हें बुखार आ रहा है। और मैं सोचता हूं कि उन्हें उसे जल्दी से निकलवाना है। और रॉय हमारे लिए यहां पर पिता के समान रहे है, और हम उनसे प्रेम करते हैं। और मैंने कहा, "भाई रॉय, मैं—मैं अन्दर जा रहा हूं, बस कुछ ही मिनटों में सभा में जा रहा हूं।" मैंने कहा, "मैं कलीसिया से आग्रह करने जा रहा हूँ कि आज सुबह हम सब आपके लिए प्रार्थना करेंगे," और कल जब वे वहाँ पर जाएंगे दांत को ठीक करवाने के लिए। दांत टेढ़ा होकर बढ गया है, या कुछ उसी प्रकार से जा रहे हैं,

गलत प्रकार से धंसा हुआ है, और वे उसे काटने जा रहे है, और उसे बाहर निकाल देंगे।

5 भाई रॉय दूसरे विश्व युद्ध के एक बुजुर्ग व्यक्ति है, जैसा कि आप जानते हैं, जिनको तब गोली मारी गई थी। और यदि यह परमेश्वर की भलाई नहीं होती, तो वह कभी भी जी नहीं पाते। उनको बहुत समय तक, मरे हुओं के बीच में रखा गया था; यहां पर हाथ फट गए थे, और पैर फट गए थे, और दोनो मुख्य नसें मृत सी हो गई थीं। और डॉक्टर ने कहा, "यदि वे कभी जी पाते हैं, वे एक कदम भी नहीं चल पाएंगे।" परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, वे हर रोज कार्य करते हैं, चढ़ते हैं और सब कुछ करते है। परमेश्वर उनके साथ भला रहा है क्योंकि वे एक भले मनुष्य हैं, और हम उनसे प्रेम करते है। और हम, हम—हम सब नहीं...

6 यदि हम सही तरह से जीवन को जीते हैं, इसका अर्थ यह नहीं है कि हम परेशानियों से छुट गये हैं। सच्चाई से, इसका यह अर्थ है कि सारी परेशानियां हमारे मार्ग में होती है। "क्योंकि धर्मी जन पर बहुत सारी विपत्तियां आती हैं, लेकिन परमेश्वर उसको उन सभी से बचाता है।" यही महिमा से भरा भाग है।

7 अतः इस प्रातः हम भाई रॉय के लिए एक विशेष प्रार्थना के लिए आग्रह करते हैं। मैं सोचता हूँ कि क्या यहां पर कोई है जिसके लिए प्रार्थना की जानी है, जिसको कि प्रार्थना में याद किया जाए? यदि वे बस उनके हाथो को उठा ले। ठीक है। यह एक अच्छी बात है। आईए बस कुछ क्षणों के लिए खड़ें हो जाएं, क्या आप ऐसा करेंगे, जबकि हम प्रार्थना करते हैं।

8 प्रभु, हम आज सब्त के आरंभ पर आते हैं। और सूरज बस अपनी राह पर है, संसार में उस स्थान पर जाने के लिए, ताकि उजियाले को लाये और जीवन को प्रदान करें उन चीजो के लिए जिनको ऐसा करने के लिए नियुक्त गया है। और सभा के आरंभ में, जहां पर, हम आपकी कलीसिया का एक भाग हैं, जिसको चंगाई की सभाओं को करने के लिए बुलाया गया है, शारीरिक चंगाईयों को करने के लिए, ताकि हमारे धन्य प्रभु की इच्छाओं और मर्जी को पूरा करे जिसको कि हमारे पापों के कारण घात किया गया, और उसके कोढ़े खाने से हम चंगे हो गये, और हम सभा के आरंभ में यह मांगेगे, जब ये अपने पंखो में लेना आरंभ कर रही है, गीतों में, और हमारे हृदय ऊपर उठना आरंभ हो रहे हैं, कि इस प्रातः, प्रभु, हम याद

करना चाहेंगे, हमारे बहुमूल्य प्रिय भाई रॉय राबर्सन को, जो कि आपका नम्र दास है। और हम यह जानते हैं कि आपने उनको युद्ध के मैदान में जीवन प्रदान किया था, और आप उनके प्रति भले रहे है। और आज वह बीमारी से पीड़ित है, कि वह कलीसिया नहीं आ पाए।

9 और प्रभु जब वे यूहन्ना मरकुस के घर में प्रार्थना कर रहे थे, वहां बंदीगृह के अंदर एक दूत आया, जहां पतरस बंधुआई में था, द्वार को रहस्यपूर्ण रीति से खोल दिया, और उसे बाहर निकाल दिया।

10 ओह प्रभु, आप आज भी परमेश्वर हैं। इस प्रातः वे दूत आप के आदेश पर हैं। प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं, जब हम यहां परमेश्वर के घर में प्रार्थना कर रहे है, कि वे दूत वहां भाई राबर्सन के घर में जाएं। उनकी इच्छा यह है कि वो यहाँ अपने स्थान पर हों, लेकिन बीमारी ने उन्हें वहां पर रोक लिया है। और होने पाए कि परमेश्वर के दूत उन्हें छुड़ा लें, उन्हें चंगा कर दें, ताकि वे अपने स्थान को यहां परमेश्वर के भवन में लेने पाएं।

11 और भी हैं जो कि कठिनाईयों में से होकर आए हैं, वे बीमार रहे हैं। और हम एक बुजुर्ग महिला को देखते है, जब वो अपनी सीट पर बैठने वाली थी, उसने अपने हाथो को उठाया, वह अपने पैरो पर लडखडा रही थी। वह परमेश्वर के भवन में चंगाई को प्राप्त करने के लिए आई है। प्रभु, इसे प्रदान करें कि वह चलते हुए, तत्परता और एक युवा स्त्री के युवावस्था के साथ चलकर बाहर जाने पाएं।

12 वे सभी जिन्होंने अपने हाथों को उठाया था, बहुत सारे ऊपर गए थे, क्योंकि ऐसा लिखा है, और पहले इसका हवाला दिया गया था, "क्योंकि धर्मी जन पर बहुत सारी विपत्तियां आती हैं, लेकिन परमेश्वर उसको उन सभी से बचाता है।" होने पाए कि हम विश्वास की ओर उड़े, विश्वास के बाँहों में, जो कि हमको सारी पीडाओ और बीमारियों से छुड़ाता है। जब सभा समाप्त होती है, होने पाए कि हमारे मध्य में एक भी कमजोर व्यक्ति न रहे।

13 प्रभु इसे प्रदान करें, कि हर एक अविश्वासी विश्वासी बन जाए। और जब हम आपके वचन पर मनन करते हैं, होने पाए कि पवित्र आत्मा उसे ले और हमारे हृदयों में डाल दे, और तब तक पानी दे जब तक कि वह वचन का फल न बन जाए। प्रभु, इस बात को हमारे लिए करें, जब हम नम्रता से अपने सिरों को झुकाते हैं और इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

आप बैठ सकते हैं।

14 इससे पहले कि हम इस सुबह की सभा के संदेश में जाएं, मैं थोडा बारीकी से आपके मस्तिष्क में इस बात को अंकित करना चाहता हूं। यदि आप में से कोई है जिसकी छुट्टियां चल रही हैं, और सभाओं में से एक सभा में आना चाहते हैं जो कि मिडलटाऊन ओहायो में है, इस सोमवार से आरंभ हो रही है, एक सप्ताह के लिए, यह छावनी मैदान पर होगी।

15 जीनी, क्या आप बस उस नाम को जानते हैं जिस पर छावनी लगाए जाते है? [भाई जीनी कहते है, "ऐसा बताया गया है कि वह मिडलटाउन से बारह मील दूर है।"—सम्पा।] भाई सुलिवन। मिडलटाउन एक छोटा सा शहर है, मुझे लगता है कि यहां जेफरसनविले की तरह है। यह एक बास्केटबॉल का केंद्र है। भाई सुलिवन वहाँ के पास्टर हैं। हर एक फुल गोस्पल की कलीसियायें, जो वहां सभा को सहयोग करने के लिए लगभग साठ कलीसिया सहायता कर रही हैं, वे आपको यह बता सकते है कि छावनी के मैदान कहां पर है।

16 और छावनी के मैदान पर बहुत सारे छोटे–छोटे घर हैं, अत: मुझे यह बताया गया है, कि वहां पर उन लोगों का ध्यान दे जो कि वहां पर आना चाहते हैं। और सभाएं सोमवार से लेकर शनिवार तक होंगी, छह दिनों के लिए। और यह रविवार को नहीं होगी, दूसरी कलीसियाओ के कारण, जिससे कि वे जाकर उनकी नियमित सभाओं को कर सकें। शायद, हर के रात को चंगाई सभाएं होंगी, या बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे। और हर एक जन को आमंत्रित किया गया है। और यह 10 अगस्त से आरंभ होकर 15 तक, सोमवार से शनिवार तक चलेंगी। और यदि आप की छुट्टियां चल रही हैं, और—और आपकी छुट्टियां आनेवाली हैं, और आप उन्हें उस प्रकार से काटना चाहते हैं, अच्छा, हमें आपको वहां पाकर खुशी होगी।

17 मैं उन सभी को भी प्रोत्साहन देना चाहता हूं जिनका मसीही बपतिस्मा नहीं हुआ है, कि वे इस प्रातः रूकें और उसके विषय में सोचें। और बपतिस्मे की सभा के लिए तैयारी करें जो कि लगभग अब से पैंतालीस मिनटों में आरंभ होगी, मैं ऐसा अनुमान लगा रहा हूं। यह यहां पर कलीसिया में होगा।

18 हमारा झुकाव लोगों को मसीही बपतिस्मा लेने के लिए प्रोत्साहन देने का है, इस बात को जानते हुए कि यह उद्धार के लिए आवश्यक है। क्योंकि यह हमारे प्रभु के द्वारा लिखा गया था, जो उसकी अंतिम आज्ञा थी, कलीसिया

के लिए उसका अंतिम आदेश था। या, जब उसने कलीसिया को अंतिम आदेश दिया था, उसने कहा था, "सारे जगत में जाकर और हर एक सृष्टी को सुसमाचार का प्रचार करो। वह जो विश्वास करें और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा।" अतः हम जानते हैं कि यह आवश्यक बात है कि हमारा बपतिस्मा डुबाने से हो।

19 और हम इस सेवा को आपको देने के लिए ख़ुशी होगी, और किसी को भी जो हृदय में मान लेता है कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है, कि वो मरा ताकि पापी लोगों को बचाये, और आप उन में से एक हैं जिसको बचाने के लिए वह मरा; और आप आना चाहते हैं और प्रभु यीशु मसीह के नाम में पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लेना चाहते हैं; संसार को यह बताने के लिए, कि आप विश्वास करते है कि आप के पाप क्षमा हो गए है, और आप अब प्रभु यीशु के चेले बनने जा रहे है, और आप खड़े होने जा रहे है।

20 यदि आप के पास जाने के लिए कोई कलीसिया नहीं है, तो हमें आपको अपने साथ सहभागिता में लेने में खुशी होगी। यहां हमारे पास कोई सदस्यता नहीं है। यह एक खुला भवन हैं, संपूर्ण मसीह की देह के लिए, हर एक संस्था की। हम अन्तरसंप्रदाय के नाई खड़े हैं। हम सभी लोगों के लिए अपने द्वारों को खोलते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वे कौन है; किस रंग के है, जाति, या मत के है, हर एक का स्वागत है। "जो भी कोई आना चाहे।" और यदि आप के पास कोई भी कलीसिया नहीं है, हमें आपके लिए खुशी होगी कि आप आएं और हमारे साथ सहभागिता करें। जुड़ने के लिए कुछ नहीं है। बस ठीक तब आ जाएं जब द्वार खुलते हैं, और हमारे साथ सहभागिता करें। बस इसी की आपको आवश्यकता है; बस उसी प्रकार से आ जाएं। खुले हुए हृदय के साथ आएं, पहिए पर अपने कंधों को लगाएं, और हमारी सहायता करें जब हम परमेश्वर के राज्य के लिए आगे बढ़ने का यत्न कर रहे हैं। क्योंकि, हम यह विश्वास करते हैं कि वह घड़ी नजदीक आ जाएगी, कि जब वे सारी बातें जिनके विषय में बाईबल में लिखा है वे पूरी होंगी।

21 कोई संदेह नहीं है लेकिन आप में बहुत ने लोगों ने क्रूशेव के उस कथन को पढ़ा है जो उसने एक दिन संयुक्त राज्य को दिया था, एक मित्र के द्वारा मुझे यह बताया गया, उसने इसे केनेडियन अखबार से लिया था। उसने

कहा, "यदि कोई परमेश्वर है, वह मंदिर को एक बार फिर से साफ और शुद्ध करेगा, तुम पूँजीपतियों के साथ, जैसे उसने आरंभ में किया था।" सो अब आप यह समझ सकते हैं कि मेरा क्या मतलब है, "वह फिर से मंदिर को साफ करने के लिए तैयार है।" और भयानक है, एक साम्यवादी के द्वारा इस तरह से एक बात को कहा गया? हालांकि उसके पास कुछ था। यह ठीक बात है। आरंभ में यह पूंजीपति ही थे जिन्होंने परेशानी को खडा किया। हम पूंजीपति है।

22 मैंने अपने प्रिय, प्यारे पास्टर भाई नेविल को सुना, जिन्होंने टेलीवीजन पर टिप्पणी की... या रेडियो प्रसारण पर, उस सुबह को, जो कि मेरे मन में बार–बार और बार–बार आ रही थी। मैं बस इस बात को भुल नहीं सकता हूं। पिछली रात्रि मैंने उसको अपने एक मित्र को बताया था। और वो यह बात थी, कि वहां होगा... पवित्र आत्मा के इस धरती पर से ले लिए जाने के बाद, औपचारिक धर्म कलीसिया ठीक उसी प्रकार से चलते चले जाएंगे, वे भिन्नता को नहीं समझते हुए। क्या आपने कभी, क्या... कितनो ने उस बात को सुना? क्या यह बात आश्चर्यजनक नहीं थी? वे पवित्र आत्मा को नहीं जानते हैं अतः वे जान नहीं पाएंगे जब ये चला जाएगा, और वे बस उसी प्रकार से चलते चले जाएंगे। जब अंतिम जन को मसीह की देह में मोहर बन्द कर दिया जाएगा, वे फिर भी चलते चले जाएंगे, वे परिवर्तित लोगों को लाने को यत्न करते रहेंगे, क्योंकि वे इस बात को नहीं जानते हैं कि यह क्या है। और उनके औपचारिक धर्म बस उसी प्रकार से करते चले जाएंगे जिस प्रकार से वे करते थे। अब, यह हो सकता है आपके अन्दर उस प्रकार से गहराई में नहीं जाए जिस प्रकार से मेरे साथ हुआ है, लेकिन यह कथन बड़ा ही आश्चर्यजनक था। कि, वे उस बात से इतने अधिक दूर होंगे, बस अपने धार्मिक क्रिया कलापों में, इतना तक उनको पवित्र आत्मा की कमी का अनुभव नहीं होगा, क्योंकि आरंभ से ही वे इस बात को नहीं जानते हैं कि वह क्या है।

23 परमेश्वर हम पर दया करें। भाई, मैं इस जीवन में जीना चाहूंगा, और मेरी इच्छा यह है, इतना तक कि जरा सा भी पवित्र आत्मा को शोकित करने पर, मैं इसे अपने हृदय में जानने पाऊँ। मैं कोई तो ऐसी चीज को करूँ जिससे कि वह शोकित होता है, मैं एक क्षण में इस बात को महसूस करने पाऊँ।

24 उसकी कमी को छोड़ दें; मैं यहां पर नहीं होना चाहता हू, जब वह यहां पर नहीं होगा। मैं तब यहां से चले जाना चाहता हूं, जी हां, श्रीमान, क्योंकि दया के आसन पर कोई लहू नहीं होगा। वह अंधकार और धुंधला और काला हो जाएगा। भवन के अंदर हमारे मामले के लिए विनंतीयों को करने के लिए उस समय वहां कोई वकील नही रहेगा। आप जानते है कि वचन ऐसा कहता हैं? भवन धुयें से भर गया था। दया के आसन पर कोई लहू नहीं था, उसके बाद ये न्याय है।

25 यदि प्रभु ऐसा करेगा, इस पतझड़ के प्रारंभ में, हमे कुछ रात्रि की बेदारी को प्रदान करता है, मैंने बस अभी अपना मन बनाया है, मैं उस प्रकाशितवाक्य की किताब को लेना चाहता हूं, इस पर अध्ययन करने के लिए, बस सीधे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में से होते हुए जाएंगे।

26 अब, आज, मैं यह जानता हूं. कि बहुत से लोग प्रार्थना करवाने के लिए आए हैं। और मेरा कार्यालय आज, या इस सप्ताह बंद था। और कुछ लोग जो कि आए थे, उनको प्रार्थना करवाने को अवसर नहीं मिल पाया, वहां पर, क्योंकि लड़के एक दिन या कुछ दिनों के लिए विश्राम करने के लिए चले गए थे। उनके पास करने के लिए बहुत सा काम था; उनको अपना काम, और साथ ही भवन का काम था, और मेरे फोन आते है और इत्यादि चीजें। यह आपको जल्द ही अधीर कर देता है। और अतः तब यही कारण है। मैं जानता हूं कि मुझे कभी–कभी कहीं पर बाहर जाना पड़ता है, और कुछ तो भिन्न करना होता हैं, और मैं जानता हूं कि उन्हें भी करना होता हैं। सो, उन्होंने मुझे बुलाया। मैंने कहा, "मैं सोचता हूं कि यह ठीक रहेगा।" और कुछ क्षणों में हम बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे है।

27 और मैंने सोचा कि हम परमेश्वर के वचन में से कुछ वचनों को पढेंगे। यदि अब आपके पास आपकी बाईबल है, आईए हम यशायाह की किताब को निकाले। मैं यह देखना चाहता हूं कि आप अपनी किताब को लें और उसे पढ़ें। मैं पढ़ता... यह बस एक या दो वचन हैं जिनको कि हमें पढ़ना है, फिर भी, यह परमेश्वर के अनंत, अविनाशी वचन है। यह कभी भी टलेगा नहीं। यशायाह का 55वां अध्य्याय, विषय है, "वो सनातन का उद्धार।"

> *अहो, सब प्यासे लोगो, पानी के पास आओ; और जिनके पास रूपया न हो; तुम भी आकर मोल लो और खाओ; आओ दाखमधु... और दूध बिन रूपए और बिना दाम ही आकर ले लो।*

जो भोजनवस्तु नहीं है, उसके लिये तुम क्यों रूपया लगाते *हो? और, जिस से पेट नहीं भरता उसके लिये क्यों परिश्रम करते हो? मेरी ओर मन लगाकर सुनो; तब उत्तम वस्तुएं खाने पाओगे, और चिकनी चिकनी वस्तुएं खाकर संतुष्ट हो जाओगे।*

कान लगाओ, और मेरे पास आओ; सुनो, और तब तुम्हारा प्राण जीवित रहेगा; और मैं तुम्हारे साथ सदा की वाचा बान्धूंगा, अर्थात् दाऊद पर की अटल करूणा की वाचा।

28 मैं बस कुछ क्षणों के लिए आपसे इस विषय पर बोलना चाहता हूं: *बिना रुपये या बिना दाम के।*

29 हमारे दिनों में मनोरंजन करने के लिए बहुत सारी चीजें हैं। लोगों को उस ओर लुभाने के लिए बहुत सारी चीजे हैं जिसको कि हम कहेंगे "सुख विलास," और यह सभी उम्र के लोगों लिए हैं।

30 युवा लोगों को लुभाने के लिए चीजे हैं, आधुनिक नाच और रॉक एन रोल पार्टियां हैं, और जो संगीत जो उनके पास है उसी के साथ–साथ बजता है। और मनोरंजन के लिए लुभाता है।

31 मैं इसकी परवाह नहीं करता हूं कि कितने अच्छे घर में एक बच्चे का पालन पोषण हुआ है, और क्यों ना उसे कितना भी अच्छा सिखाया गया हो; यदि उस बच्चे ने नए जन्म के अनुभव को नहीं पाया है, तो रॉक एन रोल संगीत उसके ध्यान को आकर्षित करेगा बस तुरंत ही जैसे ही वह इसे सुनेगा। क्योंकि उसमें, जन्म से ही, स्वभाव से एक सांसारिक आत्मा ने जन्म लिया है। और आज शैतान की सामर्थ इतनी अधिक है, इतना तक कि ये उस छोटे बच्चे की आत्मा को जल्दी से पकड़ लेती है।

32 और तब ये बड़ो के साथ कितना अधिक करेगा, जिसने कि नए जन्म को ठुकराया है! क्योंकि, केवल जिस प्रकार से आपका जीवन बदलता है, और आप परमेश्वर के राज्य में परिवर्तित होते हैं, और नया जन्म प्राप्त करते है, आपका स्वभाव अभी भी संसार की चीजों की तरह होगा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप कितने धार्मिक हैं, जब तक वह बदलाव आपमें नहीं आता है। आप आराधना कर सकते हैं और आप धार्मिक हो सकते हैं, लेकिन फिर भी उसमें किसी प्रकार की आकर्षण शक्ति आपको खींचेगी क्योंकि यह पुराना पाप का मनुष्य और उसकी इच्छाएं आप में अभी तक मृत नहीं हुई हैं।

33 लेकिन एक बार मसीह को आपके हृदय में सिंहासन पर होने दें, तब वे चीजें आपको परेशान नहीं करेंगी। तब यह बहुत ही बढ़कर होता है।

34 मैं इस व्यक्ति के नाम को नहीं ले पा रहा हूं, मैं अभी उसके नाम को याद नहीं कर पा रहा हूं, लेकिन आप में से बहुत से लोगों को याद आ जायेगा। वे कहते हैं कि एक टापू था जहां पर लोग जाकर, छिप जाया करते थे, और स्त्रियां बाहर आकर, गीत को गाने लगती थीं। और उनके गीत इतने अधिक आकर्षित करने वाले होते थे, कि नाविक जो जहाज में वहां से गुजरते थे, वहां पर आ जाते। और छिपे हुए सैनिक उन नाविकों को बिना हथियार के पकड़ लेते—लेते, और उन्हें घात कर देते थे। और कोई तो एक व्यक्ति वहां से गुजरना चाहता था। और उसने उसके नाविकों को जहाज में उस खम्भे से बांध दिया था, और—और—और उसके मुंह में कुछ डाल दिया, जिससे कि वो चिल्ला ना सके; और—और उसके कानों में कुछ डालकर बंद कर दिया, जिससे कि वे सुन न सकें, और और वे जहाज में वहां पर से गुजर सकें। और स्त्रियां बाहर आई, और नृत्य करने लगीं और—और चिल्लाने लगीं, और गाने लगीं, और, ओह, ये इतनी अधिक जोर से थी कि इतना तक वो अपने कलाइयों को मरोड़ने लगा, और उसके नाविकों को चिल्लाकर कहने लगा, "अन्दर की ओर मोडो! अन्दर की ओर मोडो!" लेकिन वे उसे सुन न सके क्योंकि उन के कान डाट से बंद किए गए थे।

35 और फिर वे जहाज को एक ऐसे निश्चित स्थान पर गए जहां पर उन्होंने उसे खोला, या उसके हाथों को खोल दिया, और उसने उनके कानों में से उस डाट को निकाल दिया। वहां पर, जब सड़क पर चल रहा था, उसने एक ऐसे संगीतकार को सुना जो वहां उसने सुना था उससे बहुत अधिक सर्वोतम था, कि जब वह उनके पास से फिर से गुजरा, उन्होंने कहा, "ओह, महान पर्यटक, क्या हम आपको उस जहाज के खंभे से फिर से बांध दें? "

36 उसने कहा, "नहीं, बस मुझे खुला छोड़ दो। मैंने ऐसा कुछ तो बहुत ही महान चीज को सुना है, इतना तक कि यह मुझे और अधिक परेशान नहीं करेगी।"

37 इसी प्रकार से यह एक नए जन्म पाए हुए मसीही के साथ होता है। उन्होंने रॉक एन रोल और सांसारिक मनोरंजन की तुलना में बढ़कर चीज

को पा लिया होता है। उनका मनोरंजन पवित्र आत्मा के द्वारा होता है। यह इतना अधिक बढ़कर होता है, इतना तक संसार उनके लिए मृत हो जाता है।

38 लेकिन जब आप इस घटिया मनोरंजन में जाते हैं, आप को अवश्य ही याद रहना चहिए कि आप अपने साथ बहुत से रूपयों को लेकर जाना होगा। एक युवक जो कि अपनी लड़की मित्र को इन पार्टियों और नाच–गानों और इत्यादि में लेकर जाता है, उसे सप्ताह भर की अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा देना पड़ता है। और बूढ़े लोग जिनको कि बीयर पार्लरों में जाकर सुख विलास को पाने की कोशिश करते है, ताकि वे बीयर पीकर सप्ताह भर के दु:खो को भुला दे, उनको इस चीज के लिए बहुत ज्यादा रुपयों को देना होता है। और उनको इस बात से क्या प्राप्त होता हैं? उनको हृदय के टूटने के अलावा कुछ भी प्राप्त नहीं होता है।

39 और याद रहे, आपको इस बात के लिए परमेश्वर के सामने किसी दिन उत्तर देना होगा। "और पाप की मजदूरी मृत्यु है।" आप इसके द्वारा यहां धरती पर कुछ भी नहीं बना सकते है। यह एक झूठा प्रतिबिम्ब है। पीने से केवल दु:ख और जुड़ जाते हैं। पाप केवल मृत्यु पर मृत्यु को जोड़ता है। आप को अंतिम चेक परमेश्वर से अलग होना होगा; आग की झील के अंदर जाने के लिए। और आपको कुछ भी फायदा नहीं हो सकता है, सिवाय नुकसान के।

40 फिर परमेश्वर आकर और प्रश्न को पूछता है, "जिन चीजों से संतुष्टि नहीं होती है, तुम उन चीजों पर क्यों अपने रूपयों को खर्च करते हो? तुम ऐसा क्यों करते हो? "

41 क्या बात इस तरह से एक मनुष्य को ऐसा करने को लगाती है? जो उनके पास है उन सभी रूपयों को खर्च कर देते है, जो वे कमा सकते है, उसे वे शराब को खरीदने में, किसी स्त्री के कपड़ों पर जिसके साथ वो घूमता फिरता है, या किसी सांसारिक, अभिलाषा से भरे सुख विलास पर।

42 लेकिन हमे बाईबल में बताया गया है, और हमें परमेश्वर के पास आने की आज्ञा दी गयी है, "और अनंत आनंद और अनंत जीवन को बिना रुपये और बिना दाम के मोल लें।"

43 इन चीजों से संतुष्टि नहीं हो सकती है, और उन चीजों के अन्त में अनंत मृत्यु है। और इसके लिए आपको सारे रुपयों का दाम चुकाना होता है जिसे

आप एक साथ एकत्र कर सकते है, वो—वो बड़ा व्यक्ति होने के लिए या मनोरंजन करने वाला होने के लिए, या मजा करने वाला लड़का, या जो भी कुछ भी हो सकता है, या एक लोकप्रिय लड़की बनने के लिए, या जो भी कुछ ये है, उन चीजों को करने के लिए उन सारे रूपयों की आवश्यकता होती है जो कि आपने जमा किए होते हैं। कपड़ो में सबसे उच्च प्रकार की पोशाक को पहनना, और—और उन चीजों को करना जो कि संसार करता है, केवल अनंत नर्कदण्ड के चेक को प्राप्त करने के लिए।

44 परमेश्वर ने तब कहा, "क्यों?" हम न्याय के दिन क्या करेंगे, जब हमसे पूछा जाएगा कि हमने ऐसा क्यों किया? तब हमारा उत्तर क्या होगा? आधुनिक अमेरिका के लिए क्या उत्तर होगा, जो कहता है कि वे एक मसीही राष्ट्र है? और एक वर्ष में भोजन की तुलना में विस्की पर ज्यादा रूपया खर्च किया जाता है। "तुम अपने रूपयों को उस प्रकार की चीजों पर क्यों खर्च करते हो?" फिर भी, सरकार आपको दण्डात्मक के लिए भेज देगी, आपको पांच डॉलर मूल्य के टैक्स को लगाएगी जिसे हो सकता है आपने किसी ऐसी संस्था को भेजा था, जो सही रूप से टैक्स को लेने के लिए सुयोजित नहीं होती हैं, कि वे मिशनरियों को विदेश भेज पाएं। हमसे किसी दिन पूछा जाएगा, "तुमने ऐसा क्यों किया?"

45 हम एक मसीही राष्ट्र हैं, और करोड़ों उन लोगों को वहां पर भेजे जाते हैं, जिनसे हम मित्रता को खरीदने का यत्न कर रहे होते हैं। अब वे उसको ठुकरा रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि क्रूशेव ने कहा, "यदि कोई परमेश्वर है, वह अपने भवन को एक बार फिर से साफ करेगा।" मूर्तिपूजक इस प्रकार के कथन को कह सकते हैं, जो हमारे लिए शर्म को लाती है। यह क्या ही हास्यास्पद बात है! और हम अपने आप को मसीही कहते हैं।

46 परमेश्वर ने कहा, "आओ, अनंत जीवन को बिना रूपयों और बिना दाम के मोल लो।" जीवन, हमेशा जीने के लिए, और हम अपनी पीठ को उससे घुमा लेते है और उसके मुंह पर हंसते हैं। हम उस दिन पर क्या करेंगे? तब क्या होने जा रहा हैं... ?

47 यदि परमेश्वर हमें करने के लिए चीजों को देता है, और रूपयों को देता है और हमें आकाश के नीचे सबसे धनी राष्ट्र बनाता है, तब परमेश्वर हमसे पूछने जा रहा है कि हमने उस चीज के साथ में क्या किया। हमने क्यों अपने रूपयों को उन चीजो पर खर्च करते है जिनसे संतुष्टि नहीं मिलती है?

यह केवल राष्ट्र के लिए ही नहीं होगा, लेकिन व्यक्तिगत के लिए होगा; कुछ सिक्कों से लेकर करोड़ों डॉलर तक, हर एक को दिया जाएगा।

48 जब मनुष्य एक दूसरे को जान से मारते हैं: मैंने बस हाल में एक लेख को पढ़ा, जहाँ पर दो व्यक्ति एक शिकारी की छावनी में कार्य करते थे। एक व्यक्ति के पांच बच्चे थे, दूसरे के पास दो थे। और उनमें से एक को मार गिरा दिया गया था। और उन लोगो में से एक के पास दो बच्चे थे, या जिसके पास पांच बच्चे थे, उसे ऐसा लगा कि उसको उस व्यक्ति की तुलना में जिसके पास दो बच्चे थे उससे अधिक जरूरत है; और वह उसके साथ शिकार पर गया, और उसकी पीठ में गोली मार दी।

49 रूपया, इसी प्रकार का एक राष्ट्र है, इसी प्रकार की भावनाएं हैं, इसी प्रकार की आत्मा है जो कि लोगो पर अधिकार करती हैं।

50 तब फिर आप यह देख सकते हैं कि नया जन्म कितना महत्वपूर्ण है। "आप को अवश्य ही जन्म लेना होगा।" इसे लेना ही है। "मेरे पास आओ, और उसे बिन रूपयों के मोल लो।"

51 आप यह कह नहीं सकते हैं, "मेरे पास रूपया नहीं था।" आपको कुछ भी रूपयों की आवश्यकता नहीं है। इसे मुफ्त में दिया गया है।

52 हम अमेरिकी लोग को हर एक चीज के लिए दाम देने के आदि हो चुके हैं। यही हमारा प्रचार–वाक्य है। "हम हर चीज के लिए दाम देते हैं। हमारे पास रूपया है।" डॉलर के नोटों को दूसरे देशों और इत्यादि के सामने हिलाते हैं जो कि निर्धन हैं। अन्दर आते हैं, आप पर्यटकों को अन्दर आते हुए देखते हैं, सभी ठीक–ठाक होते हैं। अमेरिकी लोग उनके आनंद की सामग्री जुटाने का काम करते हैं। ऐसी बुरी वस्तु परमेश्वर की दृष्टि में एक घिनौना आर्थिक लाभ है। इस बात से हम स्वर्ग जाने के मार्ग को खरीद नहीं सकते हैं। लेकिन अमेरिका में हर एक चीज, हमें हर बात में रूपया देना होता है।

53 आप जल पान गृह में जाते हैं, और अपने रात के भोजन को करते हैं। और यदि आप उस महिला वेटर के लिए टिप के रूप में पैसो को टेबल पर नहीं रखते हैं, तो उसके चेहरे पर एक अप्रसन्नता दिखाई देने लगती है, जबकि उसको कम्पनी के द्वारा रूपया मिलता है जिसके लिए वह कार्य कर रही होती है। और बेहतर होगा कि यह आपके बिल का दस प्रतिशत या उससे ज्तादा हो। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो वो महिला वेटर आपके

ऊपर इस प्रकार से दृष्टि डालेगी जैसे कि आप कंजूस या किसी प्रकार के एक—एक मक्खीचूस हों। जबकि, उस महिला को उसका रूपया मिलता है। मैं सोचता हूं कि ऐसा करना एक अपमानजनक है और शर्म की बात है। मैं सोचता हूं कि राष्ट्र के ऊपर ये एक बुरा न्याय है। ऐसा हुआ करता है, अच्छे लोग, अच्छे स्थान इस प्रकार की बात की अनुमति नहीं देंगे। लेकिन ये सब एक बहुत बड़ी आत्मा के अंदर चलते जा रहा है।

54 मैं एक रेलगाड़ी में एक यात्रा पर जा रहा था। और एक कुली... मेरे हाथ में एक छोटी सी अटैची थी, और दूसरे हाथ में एक सूटकेस था, और दाढ़ी बनाने का सामान मेरे बगल में था, और मैं चल रहा था। एक कुली चलकर आया, कहा, "क्या मैं इस समान को आपके लिए उठा सकता हूं? "

55 मैंने कहा, "ओह, श्रीमान, मैं बस सीधे वहां रेलगाड़ी पर जा रहा हूं। आपका बहुत धन्यवाद।" बस, ओह, जो लगभग तीस गज की दूरी पर था।

56 उसने कहा, "मैं उसे उठा लूंगा," और उसने उस छोटी सी चीज को ले लिया और उसे उठाकर चलने लगा।

57 अच्छा, जब वह आया, मैंने सोचा, हो सकता है मैं... मैं जानता था कि उसे रुपए देने पड़ते है, लेकिन मैं बस उसे दे दूंगा—उसे आधा डॉलर दे दूंगा। उसके पास मेरा सामान शायद लगभग कहे तो लगभग एक मिनट के लिए ही था; लगभग इस आराधनालय के दूसरे छोर तक वह चला था, जहां पर उसने ट्रेन में चढ़ाया था। पहले मैं ट्रेन पर चढ़ा, और बस नीचे उतरा और उस चीज को ले लिया। मैंने उसे आधे डॉलर दिए।

उसने कहा, "एक मिनट रुकना!"

मैंने कहा, "श्रीमान, क्या बात है? "

उसने कहा, "मैंने आपके लिए तीन बैग उठाए!"

मैंने कहा, "हां, श्रीमान, यह ठीक है। क्या, क्या गलत हुआ? "

58 उसने कहा, "मेरा न्यूनतम मेहनताना एक बैग के लिए पच्चीस सेंट है। आपको मुझे पच्चीस सेंट और देने हैं।"

देखो, यह अमेरिकीवाद है, हर एक चीज के लिए पैसो को देना होता है।

59 आप अपनी कार में सवारी कर रहे हो और ये गड्ढे में गिर जाए, और आप उसे बाहर निकालने के लिए किसी को बुलाना होता है। बेहतर होगा कि आप भुगतान करने के लिए तैयार हो जाए, क्योंकि वे इसके लिए आपसे

दाम को लेंगे। एक गाड़ी को ढोने वाले आते है और आपको बाहर निकालते है, वह आपसे प्रति मील के हिसाब से *इतना–इतना* दाम लेगा। और यदि एक किसान, दस में से नौ बार अपने ट्रैक्टर को बाहर लाता है, तो यह उससे भी बदतर होगा।

60 आपको उस हर एक चीज के लिए जिसको कि आप करवाते हैं, भुगतान को करना होता है। हर एक बात के लिए, "भुगतान! रुपया! भुगतान! रुपया!"

61 और फिर भी वो कितना बड़ा गड्ढा है जिसमें पाप ने आपको आपको डाल दिया है! आपको उस पाप के गड्ढे से बाहर कौन निकाल सकता है? लेकिन परमेश्वर आपको बिन रुपयों और बिन दाम के उस पाप के गुड्ढे से बाहर निकालता है, जब आपको बाहर निकालने के लिए कोई नहीं होता है।

62 यदि आप उस खीचने वाली गाड़ी को उस गुड्ढे से बाहर निकालने का भारी भुगतान नहीं करते हैं, तो आप उस गड्ढे में पड़े रहेंगे। आपके पास रुपए होना जरूरी है नहीं तो आप उस गड्ढे में पड़े रहेंगे।

63 लेकिन अब तक का जो सबसे बुरा गड्ढा जिसमें आप गिरे हैं, ये वो गड्ढा है जिसमें शैतान ने आपको गिराया है, वह है पाप और अविश्वास का गड्ढा। परमेश्वर अपनी इच्छा से आपको बाहर निकालेगा, बिन रुपए और बिन दाम के। और फिर भी आप उस गड्ढे में पड़े रहते हैं, बस पाप के कीचड़ में पड़े रहते हैं, और यहाँ तक उसे बुलाते भी नहीं है।

64 जब आप उस गाडी उठाने वाले वहां को बुलाते हैं, अक्सर वे एक बहुत बड़ी जंजीर को उस गड्ढे में डालते हैं, और उसे बंपर या इत्यादि यर लपेटते हैं और गोल–गोल घुमा कर खींचना आरंभ करते है। और उस कार की शक्ति उसे खींचना आरंभ कर देती है, और मोटर चलना आरंभ हो जाती है, और आपको बाहर निकालती है।

65 जब परमेश्वर आपको पाप के खड्ढे में पाता है, और वह आपको उसे बुलाते हुए सुनता है, वो उस जंजीर को नीचे भेजता है जो कलवरी के चारों ओर लिपटी हुई है, जो परमेश्वर का प्रेम है, और इसे आपके हृदय में अटका देता है, और पवित्र आत्मा की सामर्थ को वहां पर डालता है, ताकि वह खींचना आरंभ करे। और उसके लिए कुछ भी भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती है। और फिर भी हम उस खड्ढे में पड़े रहते हैं क्योंकि इसका भुगतान हम अपनी जेब से नहीं कर सकते है। हम अमेरिका के लोग

सोचते हैं कि हम उसका भुगतान अपनी जेब से उठा सकते हैं, लेकिन आप नहीं कर सकते हैं। यह बिन रुपए और बिन दाम के हैं। आपको कलीसिया में इसका भुगतान नहीं करना है। यीशु ने उसका भुगतान कलवरी पर कर दिया। लेकिन लोगों को इस पर लज्जा आती है। वे इसे अपने ही तरीके से चाहते हैं। परमेश्वर के पास आपके ग्रहण करने के लिए एक जरिया है, और यह मुफ्त है यदि आप उसे ग्रहण करते हैं।

66 अक्सर, जब वे आपको उस गड्ढे से बाहर निकालते हैं, आप पर पूरी तरह से खरोचे लगी होती है, और आपको अस्पताल में जाना होता है। और इससे पहले कि वे आपके ऊपर इलाज कर सकें, इससे पहले कि एक भी बात हो, वे पूछते हैं, "कौन तुम्हारे बिल का भुगतान करेगा? यदि हम तुम्हारे घावों पर टांके लगायेंगे, यदि हम तेल को उड़ेलेंगे, और आपके रक्त में जहर फैलने से रोकने के लिए—के लिए आपको सुई लगायेंगे, तुम्हारे पास किस प्रकार का बीमा है? " इससे पहले कि वे एक भी चीज को करें, वहां पर आपके पास रुपये तैयार होना जरूरी है।

67 लेकिन जब हमारा प्रभु आपके ह्रदय के चारों ओर अपनी प्रेम की जंजीरों को डालता है, और आपको उस पाप के गड्ढे से बाहर निकालता है, वह उस हर एक टूटे हुए ह्रदय को चंगा करता है, सभी पापों को दूर कर देता है। और उसके बिल को भूल जाने वाले समुंद्र में डाल देता है, ताकि वह इसे आपके विरुद्ध अब और याद ना करें। "बिन रुपए और बिन दाम के आ जाओ।" कोई फर्क नहीं पड़ता कितनी बुरी तरीके से आप कटे हुए है, कितनी बुरी तरह आप घायल हुए है, आपके परिवार ने क्या किया है, या आपने क्या किया है, इसके लिए कोई बिल नहीं है। वो ह्रदय के टूटने को चंगा करता है, आपके सारे दु:खों को दूर ले जाता है। "वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी; कि उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो जाए।" यह सब कुछ मुफ्त में है।

68 और हम उसे ग्रहण नहीं करते हैं, यह इसलिए हैं क्योंकि हमें एक गलत आत्मा अपने नियंत्रण में लिए हुए हैं। हम एक राष्ट्र की आत्मा, संसार की आत्मा के द्वारा नियंत्रण में है; बजाए इसके कि हम परमेश्वर की आत्मा के नियंत्रण में हो, जो पवित्र आत्मा है, जो हमारी अगुवाई करता है और सारे सत्य की ओर ले जाता है, और बाईबल को उसी तरह से बनाता है।

69 कुछ समय पहले, मैं एक अविश्वासी से बात कर रहा था। उसने कहा, "श्रीमान ब्रंहम, इस बात के विषय में सोचे। जीवन के सारे दु:ख, और केवल चीज जो हमारे पास है कि हमारा उद्धार हुआ है, यह कोई पुराना यहूदी लेख है।"

70 "ओह," मैंने कहा, "श्रीमान यह हो सकता है आपके पास कहने के लिए यही है, लेकिन मेरे पास उससे भी कुछ तो अधिक है। मेरे पास उस एक की आत्मा है जिसने इसे लिखा है, जो उसे प्रमाणित करता है, और हर एक प्रतिज्ञा को घटित करता है।" वह नहीं जानता था कि उस चीज को कैसे लेना है।

71 समझे, आपको वहां आना है और उसे बिन रुपयों और बिन दाम के खरीदना है। इसका कुछ भी दाम नहीं है। ये उनके लिए मुफ्त है "जो कोई भी चाहे, वो आये।" परमेश्वर आपको गड्ढे में से बाहर निकालता है।

72 जैसे कि एक व्यक्ति सुंदर नामक फाटक पर था। उसे अपनी माता के गर्भ से शैतान के द्वारा गड्ढे में डाला गया था जिसने उसे पैरों से अपंग कर दिया था। उसका जीवन यापन का तरीका ऐसा था कि वह उन लोगों से भीख मांगा करता था जो उसके पास से गुजरते थे। और उस प्रातः वह फाटक पर बैठा था, उसने देखा कि दो पेंटीकोस्टल प्रचारक आ रहे हैं। उनके पास एक पैसा भी नहीं था, क्योंकि उसने कहा था, "चांदी मेरे पास नहीं है।" और एक पाई चांदी का सबसे छोटा हिस्सा होता है। "सोना और चांदी मेरे पास नहीं है।"

73 मेरा अनुमान है कि उस व्यक्ति ने कुछ इस प्रकार से सोचा। "मुझे अपने कटोरे को आगे रखने की आवश्यकता नहीं है।" हो सकता है वह काफी रुपयों को बचाने के का यत्न कर रहा था। वह चालीस वर्ष का था, और हो सकता है कि वह पर्याप्त रुपयों को बचाने का यत्न कर रहा था, जिससे कि चिकित्सक चलने के लिए एक जोड़ी बैसाखी को बना सके, क्योंकि ये उसके टखने थे, जहां से वह कमजोर था। और हो सकता है कि उसके पास रूपये होने थे, पंक्ति में पड़े रहने के लिए, इससे पहले कि चिकित्सक उसको सहायता प्रदान कर पाए। और निश्चित रूप से उसे इन पेंटीकोस्टल प्रचारको के सामने कटोरे को पकड़ने की आवश्यकता नहीं थी जिनके पास कुछ नहीं था। यह अवसर था, वे... वे निर्धन थे, इन लोगों के पास से कभी भी एक भी पैसा नहीं मिल सकता है।

74 लेकिन जब उसने उनके चेहरे की ओर देखा! एक युवा था और लाली उसके मुख पर चमक रही थी; दूसरा एक बूढा था और उसके झुर्रियां पड़ी हुई थी; जैसे यूहन्ना... पतरस और यूहन्ना वहां फाटक पर जाते हैं। उसने उन उस युवा पुरुष में कुछ तो बात को देखा। उसके मुख पर जो लाली थी, वह साधारण से कुछ बढ़कर थी। उसने उन झुर्रियों और चिन्ताओं के नीचे, गलीलियन सूरज के ताप को देखा, जिसने बूढ़े मछुआरे के चेहरे को झुलसा दिया था, वहां पर वो "वर्णन से परे आनन्द और महिमा से भरा हुआ," था। उसने कुछ ऐसी बात को देखा जो कि भिन्न नजर आता था।

75 आप जानते हैं, मसीहत के विषय में कुछ तो विशेष बात है, यह लोगो को भिन्न दिखने को लगाता हैं। वे इस सारे संसार में सबसे आकर्षण करने वाले लोग हैं।

और उसने अपने कटोरे को लिया और उसे रोक लिया।

76 और प्रेरित पतरस, जो सबसे बूढा था, कहा, "सोना और चांदी मेरे पास नहीं है।" दूसरे शब्दों में, "मैं तुम्हारी कोई सहायता नहीं कर सकता हूं, कि इन चलने की बैसाखियों को खरीद सको। सोना और चांदी मेरे पास नहीं है, लेकिन जो भी कुछ मेरे पास है!" उसने उस व्यक्ति से खरीदा था जिसके पास शहद था और उद्धार की मदिरा का आनंद था। वह तभी दो या तीन दिन पहले ही पेंटीकोस्ट से आया था, जहां पर कुछ तो घटित हुआ था।

77 और वो युवा व्यक्ति इस बात को सुनकर उछल पडा इसके लिए एक बहुत जोर से "आमीन" कहा, और उसके चेहरे की ओर देखा।

78 क्या हुआ? वह सहानुभूति की श्रुंखला, उस व्यक्ति की करुणा जिसने कहा था, "मुझे बीमारो पर तरस आता है," उसी आत्मा ने उस बूढ़े मछुआरे के ह्रदय में जगह को पा लिया था। उसने कहा, "जहां तक रुपयों का प्रश्न है, मेरे पास कुछ नहीं है, लेकिन मेरे पास कुछ तो है जो कि उस चीज के स्थान को लाखों गुना ले लेगा। जो भी मेरे पास है!"

79 अब याद रहे कि पतरस यहूदी था, और उनको रुपयों से प्रेम था स्वाभाविक है, लेकिन यह यहूदी परिवर्तित हो गया था। ना ही, "जो मेरे पास है, मैं तुझे बेचता हूं।"

80 लेकिन, "जो कुछ मेरे पास है, मैं तुझे देता हूं! जो कुछ मेरे पास है! मेरे पास जेब में एक पैसा भी नहीं है। मैं रोटी का एक टुकड़ा खरीद नहीं

सकता हूं। मैं कुछ भी नहीं खरीद सकता हूं। मेरे पास एक पैसा भी नहीं है। लेकिन यदि तुम इसे ग्रहण कर सकते हो, जो कुछ मेरे पास है, मैं तुझे दूंगा क्योंकि यह मुझे दिया गया था।" इसी बात की हमें आवश्यकता है। "जो कुछ मेरे पास है, मैं तुझे देता हूं।"

"श्रीमान, आपके पास में क्या है? "

81 "मैं उसके पास जाता हूं जो दूध और शहद को बिना दाम के के बेचता है। मैं तुम्हें इसे देता हूं। तुम्हारे ऊपर इसका कोई भी कर्ज नहीं होगा। यदि तुम उस बात को ग्रहण कर सकते हो, मैं उसे तुम्हें देता हूं। ना ही उस एक के नाई जो दाम को लेता है, लेकिन उन देने वालो के नाई।"

82 क्योंकि, "जिस प्रकार से मुफ्त में तुम्हें मिला है, तुम मुफ्त में दे दो।" बस तीन दिन पहले ही, ऐसा प्रभु ने उसके आदेश को दिया था। "सारे जगत में जाओ, सुसमाचार को प्रचार करो। वो जो विश्वास करेगा और बपतिस्मा लेगा, उसी का उद्धार होगा; और वह जो विश्वास नहीं करेगा, नाश हो जाएगा। वे जो विश्वास करते हैं, उनके पीछे–पीछे यह चिन्ह जाएंगे; मेरे नाम से वे दुष्टआत्माओ को निकालेंगे; वे अन्य–अन्य भाषा में बोलेंगे; यदि वे नाशक वस्तु को पी जाए, तो भी उनकी कोई हानि नहीं होगी; यदि वे सांपों को उठा लेंगे, तो उनको कुछ नहीं होगा। जिस प्रकार से मुफ्त में तुम्हें प्राप्त हुआ है, तुम मुफ्त में दो।" वह यहूदी बदल चुका था।

83 हमें अमेरिका में आज बदलाव की आवश्यकता है, पवित्र आत्मा के ताकि हमारे धार्मिक रीति–रिवाजों के स्थान को ले ले। "जिस प्रकार से मुफ्त में तुम्हें प्राप्त हुआ है, तुम मुफ्त में दो।"

84 "जो कुछ भी मेरे पास है, मैं तुम्हें देता हूं: नाजरीन यीशु मसीह के नाम में उठ और चल"; सृष्टिकर्ता के उस बिना मिलावट के नाम में विश्वास से! कोई आश्चर्य नहीं कि वो उछलता हुआ और कूदता हुआ और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ गया!

85 ओह, आप बड़ी–बड़ी चीजों को जानते हैं, हो सकता है कि वह वहां पर चालीस वर्ष से बैठा हो, पर्याप्त धन को जुटाने का यत्न कर रहा था कि अपने लिए बैसाखी को खरीद पाए, लेकिन वो ऐसा न कर सका। लेकिन ठीक सबसे अनपेक्षित स्थान पर, अनपेक्षित समय पर, और उस सबसे अनपेक्षित, अपर्याप्त लोग थे, उसे वह पाया जो वो चाहता था। मैं बहुत ही आनंदित हूं कि परमेश्वर उस प्रकार से करता है।

86 एक रात्रि पवित्र शोर–शराबा के एक झुण्ड में, मैंने वो पाया जो मुझे चाहिए था, जिसे रुपया खरीद नहीं सकता था। एक अशिक्षित, अनपढ़ और निर्धन रूप से कपड़े पहने हुए झुण्ड में, आरंभ से ही निग्रो लोग थे, वहां उस ओर एक छोटे से पुराने परिवर्तित हुए बड़े कमरे में, फर्श पर, मैंने एक मोती का पाया जो बहुमूल्य था; जब उस बूढ़े से काले रंग के मनुष्य ने मेरे चेहरे की ओर देखा, और कहा, "जब से तुमने विश्वास किया, क्या तुमने पवित्र आत्मा को पाया? " ओह, यह कुछ तो ऐसा था जो मैं चाहता था। मैं इसे उन लोगों के बीच पाने की अपेक्षा नहीं की थी, लेकिन उनके पास था जिसकी मुझे आवश्यकता थी।

87 संयुक्त राष्ट्र संघ आज, उस चीज को स्वीकार नहीं करेगा जो हमारे पास है, लेकिन उसी चीज की उन्हें आवश्यकता है। क्रूशेव, और बाकी के वे सारे, मसीह की आवश्यकता है, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में। यह उनके प्रकृति को बदल देगा। यह ऐसे मनुष्यो को बनाएगा, जिन्हें वे घृणा करते हैं, भाई बन जाते है। यह लालच, द्वेष और ईर्ष्या, और विरोध को उनके अंदर से निकाल देगा; और प्रेम, और शांति, और भलाई और दया को डाल देगा।

88 जी हां, अनपेक्षित स्थानों में, कभी–कभी आपको वो प्राप्त होता है जिसके लिए आप देख रहे होते है।

89 इस्राएल की संतान ने क्या दिया होगा (सारे मिस्र की चीजें) जब उनके होठों में से लहू से बह रहा था, जब उनकी जुबान उनके मुंह से बाहर लटक रही थी? उन्होंने उन सारे सोने को दे दिया होगा जो वे मिस्त्रियों से लेकर आए थे, एक ठंडे पानी को पीने के लिए। जंगल के उनके अगुवों ने उनकी अगुवाई एक पानी के कुंड से लेकर दूसरे कुंड तक की थी, कीचड़ के गड्ढो से लेकर सोतो तक की थी, पर वे सारे सूखे हुए थे।

90 फिर बिन रुपयों या बिन दाम के एक चीज आती है! भविष्यवक्ता से किसी आवाज ने बोला और कहा, "चट्टान से बोलो," जो कि जंगल में सबसे सूखी चीज थी, पानी से बहुत दूर थी। फिर उनकी प्यास को बिन रूपयों और बिन दाम के बुझाया गया। "चट्टान से बोलो।" ना ही चट्टान को पैसे देना है, लेकिन "चट्टान से बोलो।"

91 वह आज भी चट्टान है। थके हुए देश में वह अभी भी चट्टान है। यदि आप थके हुए देश में यात्रा कर रहे हैं, चट्टान से बोले। उसे रुपयों को देने की

आवश्यकता नहीं है; उससे बोले। और परेशानी में वह सहजता से मिलने वाली सहायता है। यदि आप बीमार है, चट्टान से बोले। यदि आप पाप रूपी बिमारी में है, चट्टान से बोले। यदि आप थके हुए हैं, चट्टान से बोले।

92 देखो, ये ऐसा प्रतीत होता था कि वह कहीं पर भी है... ऐसा दिखता था, यदि उन छोटे स्थानों में वहां पर नीचे कोई जल नहीं पाया जाता है जहां पर सोते थे, उस पहाड़ी पर, चट्टान के पास कोई जल नहीं होगा। परमेश्वर चीजों को बस मनुष्य की सोच के विपरीत घटित करता है। वह चट्टान, जो कि जंगल में सबसे सूखी चीज थी, लेकिन उसने कहा, "चट्टान से बोलो।"

93 आज, लोग बहुत ही भरमाये गए है। वे यह सोचते हैं कि यदि वे जाकर अपनी प्रार्थनाओं को कहेंगे, याजको को कुछ प्रार्थना करने के लिए पैसा देंगे, उनके मार्ग को धन देकर बना लेंगे। यदि वे किसी बड़े चर्च को कहीं पर बनाएंगे, और कोई धनी व्यक्ति उसे प्रायोजित करेगा, जाकर अभिलाषा में जीवन को जीये, किसी को अपने लिए प्रार्थना करने के लिए कहे, वो सोचता हैं कि बस यही करना है। परमेश्वर तुम्हारे गंदे पैसो को नहीं चाहता है। वो जो कुछ चाहता है वह है आपकी भक्ति और आपका जीवन जो उससे बातचीत करें। परमेश्वर ने आपको धन दिया है, उन चीजों पर उसे खर्च ना करें जिनसे संतुष्टि नहीं होती है। उसे उन चीजों के लिए खर्च करें जिनसे संतुष्टि होती है। लेकिन वास्तविक संतुष्टि को पाने के लिए, आपको तब तक नहीं मिल सकती जब तक कि आप चट्टान से नहीं बोलेंगे।

94 वह जीवन के जल को लेकर आया, बिन रुपयों और बिन दाम के। और उन्होंने पिया, उनके ऊँटो ने पिया, और उनके बच्चों ने पिया, और ये अब भी जंगल में बहने वाला झरना है।

95 और इसी प्रकार से वह आज चट्टान है, इस थके हुए देश में, उन लोगों के लिए जो कि नाश हो रहे है। "जो कोई उस पर विश्वास करता है वह नाश नहीं होगा, परंतु अनंत जीवन को पाएगा।"

96 ध्यान दे। हर एक रात्रि, उनको रोटी के लिए सोचने की आवश्यकता नहीं थी। उनके लिए रोटी ताजे रूप में हर रात्रि लाई जाती थी।

97 हम आज डबलरोटी को लेने के लिए जाते हैं। यदि आप भिखारी है, और आप वहां दुकान पर चलकर जाते हैं, और कहते हैं, "मुझे एक डबलरोटी की आवश्यकता है।"

98 वो कहता है, "तुम मुझे एक चौथाई डालर को दिखाओ। मुझे इस रोटी के टुकड़े के लिए पच्चीस सेंट चाहिए।"

99 और जब आपको वह चीज प्राप्त होती है तो क्या मिलता है? यह आवश्यकता पूर्ती से कुछ हटकर है, लेकिन आपको सबसे निचली चीज मिलती है जो गेहूं से बनती है। वे उस में से सभी उस—उस विटामिनों को ले लेते हैं, सारा भूसा, और इसे सूअर को देते हैं। उस कुछ मसाले को मिलाते हैं जो भूसी के घोल को बनाता है, और उसे छानते हैं और उससे डबलरोटी को बनाते हैं, बहुत सी बार उस गन्दे मैले हाथों से बनाया जाता है। आप देखे कि आप को डबल रोटी में कभी–कभी क्या मिलता है, बालों के गुच्छे और अनैतिक चीजे, और लिपटी हुई चीजें, और वो हर एक चीज जो उन बेकरियों में गिरता है। पाप से भरे लोग जो यौन रोगों से पीड़ित है, और इसी प्रकार से उसमें मिला रहे होते हैं। यदि आप उसे बनते हुए देख ले, आप उसे खाएंगे भी नहीं। और फिर भी, आपको उसके लिए पच्चीस सेंट देते हैं नहीं तो वो चीज आपको नहीं मिलेगी।

100 और परमेश्वर ने उन्हें हर एक रात्रि भोजन दिया, वे रोटियां जो दूतों के हाथों से बनाई गई थी; बिन रुपयों और बिन दाम के। और आज, उस रोटी ने मसीह को प्रतिबिंबित किया, आत्मिक जीवन, जो स्वर्ग से नीचे आई थी, उसके जीवन को देने के लिए।

101 और परमेश्वर अपने बच्चों के प्रति दिन, एक नये अनुभव को देता है। आपको याद रहे, यदि वे रोटी को रख देते थे, तो ये सड़ जाती थी।

102 आपने किसी को इसके विषय में कहते हुए सुना है, "अच्छा, मेरे पास है... मैं आपको बताता हूं। मैं लूथरन हूं। मैं प्रेसबीटेरियन हूं, मैं बैपटिस्ट हूं। मैं पेंटीकोस्टल हूं," यह बस पहले के हाथों की बनाई हुई डबल रोटी है। इसके विषय में बस यही बात है, यह बस उतनी ही ख़राब है, और मनुष्यों के हाथों से बनाई गई है।

103 लेकिन जब आप एक गवाही के अनुभव को सुनते हैं, ताजे रूप में, "आज सुबह, प्रार्थना में, पवित्र आत्मा ने मेरे प्राण को ताजे रूप में बपतिस्मा दिया," ओह, भाई, यह दूतो का भोजन है। वह उन्हें ताजे रूप में, प्रतिदिन, स्वर्ग से खिलाता था।

आशीषो की बारिश की हमें आवश्यकता है;
करुणा की बूंदे हमारे चारों ओर गिर रही है,
लेकिन बौछारों के लिए हम याचना करते है।

104 ओह, जी हां, स्वर्ग से ताजे रूप से भेजे, प्रभु, मसीह, जो जीवन की रोटी है। उसे एक हृदय में डाल दे, और होने पाए कि मैं उसकी महान उपस्थिति में आनंद उठा सकूं।

105 निश्चित रूप से, वे धन्यवादित थे। वे आभारी थे। और कोई भी पुरुष और स्त्री जो कि परमेश्वर की आत्मा से जन्मा है, और उसने पवित्र आत्मा को पाया है, वह हमेशा ही धन्यवादित रहेगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है जो कुछ भी होता है, आप आभारी रहेंगे।

106 जैसे कि एक छोटा सा अंधा लड़का ऊपर पहाड़ी पर था, छोटा बेनी, उसने जन्म लिया था। लगभग आठ महीने पहले, उसकी आंखों पर मोतियाबिंद बढ़ने लगी। उसके माता–पिता निर्धन थे। वे पुरानी मिट्टी की पहाड़ी के पास रहते थे। और वे जानते थे कि इस शल्य चिकित्सा से बेनी की आंखें बचाई जा सकती है, जिससे कि वो देख सकेगा। वो अब लगभग बारह वर्ष का लड़का था। उसके माता–पिता बस इतना ही मिल पाता था कि वे उनके लिए वर्ष भर रोटी और मांस को जुटा सकते थे। वे उस शल्य चिकित्सा के रुपयों को देने में असमर्थ थे।

107 सभी पड़ोसियों ने कुल मिलाकर देखा कि बेनी वहां छोटे बच्चो के साथ खेलने का यत्न कर रहा था, वह अंधा था। वह यह नहीं देख पा रहा था कि वो क्या कर रहा है। उन्हें बुरा लगा। और उनमें से हर एक ने उस वर्ष फसल को कुछ ज्यादा लगाया। उन्होंने धूप में कुछ अधिक मेहनत को किया। और जब जाड़े में फसल को बेचा गया, तो उन्होंने रुपये को लिया और छोटे बेनी को रेल गाड़ी पर बैठाया, और उसे डॉक्टर के पास भेज दिया।

108 उन्होंने एक सफल शल्य चिकित्सा को किया। और जब वह वापस आया, सारे पड़ोसी वहां पर एकत्र हुए जब छोटा बेनी रेलगाड़ी से उतर रहा था। उसकी छोटी सी आंखे चमक रही थी। जैसे ही उसने उनके चेहरों को देखा, उसने चिल्लाना और रोना आरंभ कर दिया।

109 एक कंडक्टर ने उससे कहा, "बेटे, तुम्हें इस शल्य चिकित्सा को करवाने में कितना पैसा लगा? "

110 उसने कहा, "श्रीमान, मैं यह नहीं जानता कि इन लोगों को कितना पैसा लगा। लेकिन मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं उनके चेहरों को देख सकता हूं, जिन्होंने इसके दाम को दिया।"

111 इसी तरह से हम महसूस करते है। मैं यह नहीं जानता कि परमेश्वर को कितना दाम चुकाना पड़ा। मैं जानता हूं कि उसके पास जो सबसे बेहतर था उसने मेरे लिए दिया, उसका पुत्र। लेकिन मैं इस आत्मिक दृष्टि को पाने के लिए धन्यवादित हूं, कि मैं उसके चेहरे की ओर देख सकता हूं और यह जानता हूं कि वो मेरे लिए मर गया। मैं नहीं जानता इसका उसे कितना दाम लगा। हमारे पास इसका अंदाजा लगाने के लिए कोई तरीका नहीं है। वह कीमत बहुत अधिक है। मैं आपको नहीं बता सकता कि ये कितना है। लेकिन मैं धन्यवादित हूं। मैं आभारी हूं, कि मैं एक बार अंधा था, अब मैं देख सकता हूं।

112 मैं आभारी हूं कि जब मेयो भाइयों ने मुझे बताया कि मेरा समय आ चुका है, जब डॉक्टरों ने यह बताया कि मैं और अधिक नहीं जी पाऊंगा, पच्चीस वर्ष पहले, पर मैं आज जीवित हूं। मैं नहीं जानता कि परमेश्वर को इसके लिए क्या कीमत चुकानी पड़ी, लेकिन मैं धन्यवादित हूं कि मैं जीवित हूं।

113 एक समय मैं पापी था, ह्रदय के टूटने से, डरावनी मृत्यु के द्वारा पाप में कैद था। लेकिन आज, मृत्यु मेरी जय है। हाल्लेलुय्या! यह बस मुझे उसकी उपस्थिति में लेकर जाता है जिससे मैं प्रेम करता हूं, कि मैं उसके चेहरे की ओर देख सकूं। उसने शल्य चिकित्सा के द्वारा, उस चीज को बदल दिया, उसने मेरे ह्रदय को लिया और उसे नया बना दिया। मैं जानता हूं कि मुझे कुछ तो हुआ है।

114 मिनेसोटा में पिछले जाड़े के समय, अखबार में, एक लड़का था जिसने अपनी साइकिल को लिया और एक सुबह सन्डे स्कूल के लिए कलीसिया गया। पड़ोस में दूसरा व्यक्ति था जिसका सन्डे स्कूल के साथ कोई देना–देना नहीं था, उसने अपनी लड़की मित्र को लिया और स्केटींग के लिए चला गया। और वह एक अधेड़ उम्र का मनुष्य था, और वह पतली बर्फ में चला गया और गिर पड़ा। उस सुबह को वह उस छोटे लड़के पर हंसा था जब वह सड़क पर जा रहा था, उसने अपनी लड़की मित्र को बताया, कहा, "वहां उस कलीसिया में कट्टरपंथी झुण्ड है जो वहां पर आ जाते हैं।" और

जब वह बर्फ में से गिरा, उसकी लड़की मित्र उससे दूर थी। वह हल्की थी; वह दूर हट गई। लेकिन जब वह ऊपर आया और अपने हाथों को बर्फ पर डाला, उसे लकवा मार गया, और वह बर्फ पर लटक गया।

115 उसकी लड़की मित्र ने उस तक पहुंचने का यत्न किया, लेकिन वह बहुत अधिक भारी थी, वह बर्फ को तोड़ने लगी। वह चिल्लाया, "पीछे हटो! पीछे हटो! तुम बस अंदर गिर जाओगी, और हम दोनों डूब जाएंगे।" वह चिल्लाया, वह चीखा, और कोई भी उसकी सहायता करने को नहीं था।

116 कुछ देर के बाद, पहाड़ के ऊपर से, एक छोटी सी साइकिल आई, पैडल मारते, एक छोटा लड़का जिसके बगल में बाईबल थी। उसने चीख को सुना, और उसने अपनी छोटी सी साइकिल को चलाना तेज कर दिया। उसने अपनी बाईबल को नीचे रखा और बर्फ पर दौड़ने लगा। अपने पेट के बल रेंगता हुआ, उसने अच्छे कपड़े पहने हुए थे, जब तक कि उसने उस व्यक्ति के हाथों को ना पकड़ लिया, और उसे पीछे की ओर खींचने लगा, जब तक कि उसने उस बर्फ में से खींच नहीं लिया। भाग कर गया और एक कार को रोका। उन्होंने एम्बुलेंस को बुलाया और उसे अस्पताल ले गए।

117 जब वहां जाने के बाद और उसने एम्बुलेंस का दाम चुकाया, डॉक्टरों को निमोनिया की सुइयों और इत्यादि का दाम चुकाया जो उसे दिया गया था, वह उस छोटे लड़के के पास आया। उसने कहा, "बेटे, मुझे तुम्हें कितने रुपए देने हैं? "

उसने कहा, "कुछ भी नहीं।"

118 उसने कहा, "मेरा जीवन तुम्हारा कर्जदार है।" इसके विषय में सोचे। रुपया उसके दाम को नहीं चुका सकता था। यह उसका जीवन था।

119 उसी प्रकार से हमें परमेश्वर के प्रति महसूस करना चाहिए। हमें हमारे तरीके से किसी चीज से नहीं खरीदना है; लेकिन हम हमारे जीवन के परमेश्वर के कर्जदार है, क्योंकि हम मर रहे थे और पाप के दलदल में डूब रहे थे। परमेश्वर ने अपने हाथों को और वस्त्रों को मेरे चारों ओर डाला।

पाप की गहराई में मैं डूब रहा था,
शान्ति से भरे तटों से दूर था,

बहुत ही गहराई तक भीतर दाग लगे हुए थे,
डूब रहा था कि अब और ऊपर नहीं उठूँगा;
परंतु समुद्र के स्वामी ने
मेरी दुखमय पुकार को सुना,
जल में से मुझे ऊपर उठाया,
अब मैं सुरक्षित हूं।

120 संपूर्ण जीवन भर मैं उसका कर्जदार रहूंगा। आप अपने संपूर्ण जीवन भर उसके कर्जदार रहेंगे। आप अपने संपूर्ण जीवन भर उसके कर्जदार रहेंगे, उसकी सेवा करने के लिए; ना ही इसे देने के लिए, कि आप इधर उधर चले और अपनी कलीसिया संस्था के विषय में बढाई मारे; ना ही इधर उधर जाकर और दूसरों की आलोचना करें; लेकिन सेवा करने की कोशिश करने के लिए और दूसरों को बचाने के लिए, और उन्हें प्रभु यीशु मसीह के ज्ञान में लाने के लिए।

121 उडाऊ पुत्र। बंद करते हुए, मैं यह कहना चाहता हूं। जब उसने अपनी संपूर्ण जीविका को बर्बाद कर दिया, पिता की जीविका को कुकर्म में जीवन व्यतीत करने के द्वारा बर्बाद कर दिया, और जब वह वापस घर आ रहा था... वह सूअर के रहने के स्थान में पड़ा हुआ था, और वह अपने आपे में आया। और उसने कहा, "मेरे पिता के घर में कितने किराए के दास है, जिनके पास खाने के लिए बहुत कुछ है, और यहां पर मैं खाने के लिए मर रहा हूं।" क्या होता यदि उसने यह कहने का यत्न किया होता, "जितने रुपयो को मैंने नष्ट किया है, क्या मैं अपने पिता को वापस दे सकता हूं (जो मैंने यहाँ वहां बेकार में खर्च किया है) इसमें? " लेकिन वह अपने पिता के स्वभाव को जानता था, उसने कहा, "मैं उठूंगा और अपने पिता के पास जाऊंगा।"

122 पिता ने यह कभी भी नहीं कहा, "पुत्र, एक मिनट रुकना! क्या तुम मेरे रुपयों को वापस लौटा रहे हो? " नहीं। उसने उसके पापों के लिए कभी भी रुपयों को नहीं लिया। वह आनंदित था कि वह वापस आ रहा है। वो आनंदित था कि वह अपने आपे में आ गया था, क्योंकि वह उसका पुत्र था। वह उसका अपना पुत्र था। वह आनंदित था कि वह वापस घर आ रहा था। अब, उसने उसके पापों का समर्थन किया, परंतु वह आनंदित था कि वह अपने आपे में आ गया था और कहा, "मैंने अपने परमेश्वर के

समक्ष और अपने पिता के समक्ष पाप किया है। मैं उठूंगा और उसके पास जाऊंगा।"

123 और जब उसने उसको दूर से देखा, वह उसके पास दौड़कर गया और उसे चूमा। और उसने कहा, "मोटा ताजा बछड़ा लाकर मारो," बिन रुपयों के। "सबसे अच्छा वस्त्र निकालकर ले आओ," बिन रुपयों के। "अंगूठी ले आओ" बिन रुपयों के "उसकी ऊंगली पर पहनाओ। आओ हम खाए, पीए और आनंद मनाए, क्योंकि यह मेरा पुत्र खो गया था और उसे फिर से पा लिया गया है। मर चूका था, वो फिर से जी उठा है। आओ हम उसके विषय में आनंद मनाएं।"

124 बंद करते हुए, मित्रों मैं यह कहना चाहता हूं। केवल एक ही चीज जो संतुष्ट करती है, केवल एक ही चीज है जो वहां है, केवल जो अच्छी चीजें हैं, उनको रुपयों से खरीदा नहीं जा सकता है। यीशु मसीह के द्वारा वे परमेश्वर की ओर से मुफ्त के उपहार है; प्राण के लिए उद्धार; आनंद। आओ और खाओ, और संतुष्टि को प्राप्त करो।

जो भोजन वस्तु नहीं है, उसके लिए तुम क्यों रुपया लगाते हो? और जिस से पेट नहीं भरता उसके लिए क्यों परिश्रम करते हो? मेरी और मन लगाकर सुनो, तब उत्तम वस्तुएं खाने... पाओगे और चिकनी चिकनी वस्तुएं खाकर प्राण आनंदित हो जायेगा।

अपने कान लगाओ, और मेरे पास आओ; सुनो, और तब तुम जीवित रहोगे; और मैं तुम्हारे साथ सदा की वाचा बांधूंगा अर्थात दाऊद पर की अटल करुणा की वाचा।

125 वे सभी चीजें जो बनी रहती है, वे सभी चीजें जो अच्छी है, वे सारी चीजे जो सुहावनी है, सारी चीजें जो की अनंत है, वे मुफ्त है, और आपको निशुल्क दी जाती है। इस किताब के लिखे जाने के अंत में यह कहा गया है, "जो कोई भी चाहे, वह आए और जीवन के सोते के जल में से पीए, मुफ्त में," बिन रुपयों और बिन दाम के। जिन चीजों से संतुष्टि नहीं होती है, उन पर क्यों रुपया लगाते हो, और वे सच्ची चीजें जिनसे संतुष्टि होती है, मुफ्त है, अपने आप से असंरक्षित होने दे?

आइए हम प्रार्थना करें।

126 जबकि आप शान्त है और प्रार्थना में है, इस सुबह इस भवन में क्या कोई है, जिसने उस सोते में से नहीं पीया है, कि संसार की इच्छाएं अभी भी

आपके जीवन में है, और आप आज सुबह अपने पीने के स्थान को बदलना चाहते हैं, या अपने रुपयों का अत्याधिक चाहते हैं? आप आकर और परमेश्वर से खरीदना चाहते हैं (बिन रुपयों और बिन दाम), के दूध और शहद, आनंद के दाखरस को? क्या आप अपने हाथ को उठाकर, कहेंगे, "भाई ब्रंहम, जब आप प्रार्थना करते हैं, आप मुझे याद रखें? " श्रीमान, परमेश्वर आपको आशीष दे। श्रीमान, परमेश्वर आपको आशीष दे। बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। क्या कोई और है जो यह कहेगा, "भाई ब्रंहम जब आप प्रार्थना करते हैं, आप मुझे याद रखे? "

127 आप में से कुछ युवा लोग, हां, जिन्होंने अपनी जीविका को बर्बाद किया है। वो—वो—वो घंटे जब आपकी मां ने आपके लिए प्रार्थना करने में बिताएं, और पापा ने सभी शिक्षाएं जो कि आपको दी गई, और फिर भी आपने उससे एक तरफ मुंह को मोड़ दिया, और शैतान को फुसफुसाने को सुना। अब आप संसार के संगीत की, संसार की वस्तुओं की इच्छा को रखते हैं। और आप उडाऊ पुत्र के सामान अपने आपे में आ रहे हैं जो सूअरखाने में था। भाई और बहन, क्या आप अपने हाथ को उठाएंगे, और कहेंगे, "परमेश्वर, मुझे याद रखे। मुझे अपने आपे में लाये, इस सुबह, मुझे अपने पिता के घर में आने दे"? इसमें आपको कुछ मूल्य देना नहीं होगा। वो आपसे अपेक्षा कर रहा है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आपने क्या किया है, "चाहे तुम्हारे पाप लाल रंग के क्यों न हो, वे हिम की नाई श्वेत हो जाएंगे, लाल रंग के, ऊन के समान वे श्वेत हो जाएंगे।" और वे जो दिव्य उपस्थिति में है, क्या वे उनके हाथों को उठाएंगे?

128 वे जो कि बीमार है और आवश्यकता में है, कहे, "मैं—मैं गड्ढे में गिर गया था। शैतान ने मेरे साथ बुरा किया—किया। उसने मुझे अपंग बना कर और बीमार किया, या ऐसा ही कुछ किया है। इस सुबह, मेरी इच्छा है, कि परमेश्वर की विश्वास की जंजीर मेरे ह्रदय की ओर जाए, जो मुझे इस गड्ढे में से निकाल देगा, उस व्यक्ति के जैसे जो सुंदर नामक फाटक पर था।" अपने हाथों को उठाए। परमेश्वर आप में से हर एक को आशीष दे।

129 प्रभु, इस घड़ी मैं आपके सामने इन लोगों को लाता हूं जिन्होंने अपने हाथों को उठाया हुआ है, उनके पापों की क्षमा के लिए। आप परमेश्वर है, और केवल आप ही परमेश्वर है। ठीक वहां पर जहां वे बैठे हुए हैं, आपने उनसे वहीं पर बात की है। वहीं पर आपने उनको मानने को लगाया कि वे

गलत है, जब वचन उसके स्थान को पा लेता है, और पवित्र आत्मा बोलना आरंभ करता है, और कहता है, "तुम गलत है। मुड़ो, और पिता फिर से परमेश्वर के पास आ जाओ।" और उन्होंने अपने हाथों को उठाया, यह दिखाने के लिए कि पिता के घर आने के लिए वे सूअर के रहने के बाड़े से बाहर आना चाहते हैं, जहां पर बहुतायात से हैं, जहां पर उनके पास लेकर आने के लिए कुछ नहीं होगा। जिस प्रकार से कवि ने अच्छी तरह से कहा, "मेरे हाथों में कुछ भी नहीं मैं लेकर आऊं, बस तेरे क्रूस से लिपटा रहूं।" होने पाए कि वे मधुरता से, नम्रता से आ जाए, और दोषी ठहराये जाए, और उनके जीवनों को समर्पित करें। और आप सबसे अच्छे वस्त्रों को लाएंगे; एक अंगूठी को लाकर और उनकी उंगली में पहनाएंगे; और मारे गए मेमने के मन्ना को उन्हें खिलाएंगे। प्रभु, इसे प्रदान करें।

130 वहां कुछ ऐसे है जो बीमार और पीड़ित है। वे आवश्यकता में है। कोई संदेह नहीं शैतान ने उन्हें गड्ढे में डाल दिया है, शल्य चिकित्सा करवाने के लिए रुपए नहीं है। कोई संदेह नहीं, शायद, इनमें से बहुत से लोगों की शल्य चिकित्सा नहीं हो सकती। हो सकता है चिकित्सक किसी कारण से निकाल ना सका, यहां तक कि उसके पास बहुत अधिक पैसा था। लेकिन आप परमेश्वर है। और मैं प्रार्थना करता हूं कि ठीक इसी घड़ी, पवित्र आत्मा के अभिषेक के नीचे अब वर्तमान में बैठे हुए है, कि आप उनमें से हर एक को चंगा करेंगे। होने पाए कि वे सिर से लेकर पांव तक, और उनका हर एक कण चंगा हो जाए।

131 यदि आप बिना आनंद के हैं; उनके उद्धार के, वे इसका और अधिक आनंद नहीं ले सकते हैं। जैसे कि पुराने समय के दाऊद ने कहा था, "मुझे मेरे उद्धार के आनंद को लौटा दे।" होने पाए कि वे आनंद और खुशी प्राप्त करे, उनके दु:ख और थकान के लिए, क्योंकि एक थकान से भरे देश में आप एक चट्टान है। तूफान के समय में आप एक सुरक्षित स्थान है। जब शैतान उनके ऊपर हर एक बीमारी को और मिसाईल को फेंकता है, आप तूफान के समय में सुरक्षित स्थान है। ऐसा आज हो जाए, परमेश्वर, क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

धीरे से और नम्रता से यीशु बुला रहा है,
आपको और मुझे बुला रहा है,

हालांकि हमने पाप किया है, उसके पास करुणा और
दया है,
आपके और मेरे लिए क्षमा है।

घर आ जाओ...

132 अब, यदि आप चाहते हैं, वेदी पर आकर और घुटने टेके, हम आपके लिए प्रार्थना कर सके, आपको अभिषिक्त करें, जो भी कुछ हम कर सकते हैं। आपका स्वागत है।

... थके हुए हैं, घर आ जाये;
गंभीरतापूर्वक, कोमलता से, यीशु बुला रहा है,
हे पापी, बुला रहा है, घर आ जाओ!

133 क्या आप उससे प्रेम करते हैं? टेडी, क्या आप हमें उस स्वर को देंगे, "मैं उस से प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया।" क्या आप उसे ले सकते हैं?

134 आइए उसकी महिमा के लिए गाएं, इससे पहले कि हम सभा के क्रम को बदले, बस एक क्षण के लिए। यह आराधना है। संदेश जा चुका है। मैं बहुत ही खुश हूं कि आपने इसे ग्रहण किया है। प्रार्थना करता हूं कि यह आपके लिए भला करेगा, क्योंकि इसने मेरे लिए किया इसे बोलने के लिए। मैं यह प्रार्थना करता हूं कि वही प्रेरणा जो कि मुझे दी गई, कि इसे आपके लिए बोलूं, आपने उसे उसी प्रेरणा में ग्रहण किया जिसमें इसे भेजा गया था। होने पाए प्रभु इसे आपके हृदय को आशीषित करें। तो ठीक है।

मैं उस से प्रेम करता हूं,

अब बस अपनी आंखों को बंद करें, जब हम इसे गाते हैं। अपने हाथों को उठाए।

... मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया
और खरीद लिया मेरा उद्धार
कलवरी के वृक्ष पर।

135 अब, आईये हमारे सिरो को झुकाए, हम इसे गुनगुनाते हैं। आप उसे प्रेम करते हैं? क्या वह आपके हृदय के लिए वास्तविक नहीं है? क्या उसके विषय में कुछ तो नहीं है जो बस बहुत ही वास्तविक है? मैं उसे प्रेम करता

हूं क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया, कलवरी पर से जीवन के लंगर को फेंका, ये मेरे ह्रदय में अटक गया।

136 भाई ड्रमंड को ना भूले, वे आज रात्रि, जो प्रभु भोज की रात्रि है, वे प्रचार करने जा रहे हैं। यदि आप प्रभु से प्रेम करते हैं, वहां आकर और हमारे साथ प्रभु भोज को लें। प्रभु ने चाहा तो मैं आपके साथ यहाँ रहूंगा। यह भाई टोनी जबेल के दामाद है; भाई थाम अफ्रीका से है; उनके पुत्र है, अच्छे भाई हैं; वास्तव में भले, सच्चे मसीही है, छोटे से अच्छे प्रचारक है।

क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के वृक्ष पर।

137 जब हमारे सिर अब झुके हुए हैं, जब पियानो बजना जारी रहेगा।

138 प्रभु यीशु, हम एक और सभा में प्रवेश करने पर है, प्रभु। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि पवित्र आत्मा ने हमारे ह्रदयो से बात की हैं। और प्रभु हम आनंदित है, कि आपने इस बात को हमारे लिए किया है। और होने पाए कि आपका वचन व्यर्थ वापस ना लौटे, लेकिन होने पाए ये उस काम को पूरा करे जिस उद्देश्य को करने के लिए था। होने पाए कि ये हमारे ह्रदयों में बना रहे, यह जानने के लिए कि सारी वास्तविक चीजें और वे चीजें जो हमेशा बनी रहती है परमेश्वर की ओर से आती है, वे बिन रुपयों और बिन दाम के है। हम क्यों उन चीजों के लिए इतना संघर्ष करते हैं, और उन्हें ऐसे जीवन और मरण का मामला बना लेते हैं, क्योंकि वे चीजें नाश हो जायेंगी? प्रभु, हम उन चीजों के लिए और अधिक संघर्ष करें जो नाश नहीं होती है, जिनका कोई मूल्य नहीं है। मूल्य को निशुल्क चुकाया जा चुका है, और स्वागत के लिए आज्ञा देता है, "जो कोई भी चाहे, वो आये।"

139 सभा के अगले भाग को आशीषित करें। प्रभु, इसे प्रदान करें। और हमसे आज रात्रि भेंट करें। बपतिस्मे की सभा को आशीष दे। होने पाए कि एक महान उड़ेला जाना हो। होने पाए कि यह लोग, जो कि आपके प्रिय पुत्र प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लेने जा रहे हैं, होने पाए कि वे पवित्र आत्मा से भर जाएं। होने पाए कि यह लोग, जिन्होंने अपने हाथों को इस सुबह उनके पापो के पश्चाताप के लिए उठाया, होने पाए कि वे आकर, और बपतिस्मे के वस्त्रों को पहने, और तालाब के अंदर जाएं, और संसार को यह साबित के लिए कि उन्हें उनके पापों से क्षमा किया जा चुका है। और

उनका बपतिस्मा हुआ है, कि उनके पापों को उस किताब में से मिटा दिया जाएगा। प्रभु, इसे प्रदान करें।

140 आप भाई ड्रमंड के साथ आज रात्रि होना जब वे ताजे रूप से संदेश को सिहांसन से लेकर आते हैं। उन्हें पवित्र आत्मा से अभिषिक्त करें। और आप हमारे साथ होना जब हम प्रभु भोज को लेते हैं। होने पाएं कि हमारे हृदय शुद्ध और साफ हों जाए, होने पाए कि कोई मलिनता हमारे अंदर न हो। होने पाए कि यीशु का लहू हमें हमारे सारे पापों से शुद्ध कर दे। प्रभु इसे प्रदान करें। हमारे मध्य से बीमारी को दूर करें, और हमें आनंद और शांति को प्रदान करें। यीशु मसीह के नाम में से होते हुए हम मांगते हैं। आमीन।

मैं प्रेम...

141 क्या आप उसे प्रेम करते हैं? अब अपने हाथों को उसके लिए उठाएं।

मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि...

अब वहां पर जाएं और किसी से हाथ को मिलाएं जो आपके पास खड़ा है।

... पहले... (रसेल, मैं उसे प्रेम करता हूं। यदि मेरे मेरी मृत्यु आज हो जाए, मैं उसे प्रेम करता हूं।)
और खरीद लिया...

यह ठीक है, बस अपने इर्द–गिर्द जाकर और हाथों को मिलाएं।

... उद्धार
कलवरी पर...

तो ठीक है भाई नेविल, अपने शब्दों के साथ। तो ठीक है।

बिना रुपये या बिना दाम के HIN59-0802

(Without Money Or Without Price)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 2 अगस्त, 1959 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org